100 Years of Association of Indian Universities

On 23rd March, 1925, the Association of Indian Universities was incepted as the 'Inter-University Board of India,' an authorised central agency to develop higher education in india to the highest standards with the concerted efforts of all universities and other higher education bodies together. It was registered under the Societies Registration Act, 1860, on September 29, 1967, and was rechristened as the Association of Indian Universities (AIU) in 1973. It is now a flagship body for Indian higher education institutions and a valued source of research-based policy advice to the Government of India. Starting as a start-up with higher education as its focus, it has been growing resiliently and resolutely, adding new and allied dimensions like the Equivalence of Degrees/Qualifications of Indian and Foreign Universities, Research and Training, Sports, Cultural Activities, Promotion of Youth Affairs, etc., into its ambit. Apart from cooperating and coordinating among universities and national and international bodies in matters of common interest, AIU has been playing a vital role in shaping Indian higher education by being an integral part of all major decision-making committees and commissions of higher education in the country.

With the motto संघात् संजायते सन्धिः (Sanghat Sanjayate Sandhih) the AIU aims to promote and represent the higher education system and Indian universities through strong liaison with the Government and national/international organisations of higher education, and sister associations worldwide, and to establish liaison between/among universities through active support, cooperation, and coordination among the member universities and all its stakeholders for quality education, research, and other academics. Recognised universities from other countries can also become Associate Members. At present, almost all universities of India are its members, and some universities from countries like Bangladesh, Bhutan, Kazakhstan, Mauritius, Malaysia, Nepal, Thailand, UAE, and the UK are its Associate Members.

The objectives of the AIU include serving as an inter-university organisation, acting as a bureau of information and facilitating communication, coordination, and mutual consultation amongst universities, and acting as a liaison between the universities and the governments (Central as well as State). It also cooperates with other universities or bodies (national or international) in matters of common interest. AIU acts as the representative of the universities of India and promotes and undertakes programmes to improve standards of instruction, examination, research, textbooks, scholarly publications, library organisation, and other programmes that contribute to the growth and propagation of knowledge.

AIU helps universities maintain their autonomous character and facilitates student mobility and the exchange of teaching and research staff, sharing of infrastructure, joint research projects, and publications between universities both within India and abroad. The association signs MoUs with counterparts from other countries in broad areas and brings the universities together in areas of mutual interest. AIU also facilitates signing MoUs between universities and appoints or recommends common representatives at conferences, both national and international, on higher education. It assists universities in obtaining recognition for their degrees, diplomas, and examinations from other universities, Indian and overseas. AIU undertakes, organises, and facilitates conferences, seminars, workshops, lectures, and research on various themes related to higher education.

As a National Sports Promotion Organization (NSPO), AIU promotes sports among member universities and maintains standards in sports, enhancing participation in national and international championship competitions, and making efforts to improve sports infrastructure in universities. Additionally, AIU establishes and maintains organizations dealing with youth welfare, student information services, cultural programmes, adult education, and other activities that contribute to the betterment and welfare of students, teachers, and others connected with universities. AIU acts as a service agency to universities in various capacities and undertakes, facilitates, and provides for the publication of newsletters, research papers, books, and journals.

The Department of Posts is proud to release a postage stamp to commemorate the '100 years of Association of Indian Universities', recognising its pivotal role in shaping and advancing higher education in India. This stamp celebrates its remarkable contributions and the legacy it has built over nearly a century.

Credit:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Ms. Mahima Jain
Text	:	Referenced from content provided by Proponent.



भारतीय विश्वविद्यालय संघ के 100 वर्ष

भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) की शुरुआत 23 मार्च, 1925 को 'भारत के अंतर–विश्वविद्यालय बोर्ड' के रूप में हुई, जो सभी विश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षा निकायों के सम्मिलित प्रयासों से, भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ मानकों को प्राप्त करने की दिशा में कार्यरत एक प्राधिकृत केंद्रीय एजेंसी है। इसे, सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत 29 सितंबर, 1967 को पंजीकृत किया गया। 1973 में इसका नाम बदलकर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) कर दिया गया। वर्तमान में यह संघ, भारतीय उच्च शिक्षा संस्थाओं हेतु एक अग्रणी निकाय है और नीतिगत मामलों में भारत सरकार को शोध–आधारित सुझाव देने वाली महत्वपूर्ण संस्था है। इस संस्था का सूत्रपात स्टार्टअप के रूप में हुआ। उच्चतर शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए यह संस्था दृढ़ संकल्प के साथ अपने निर्धारित मार्ग पर विकास के नए आयाम तय कर रही है। इस यात्रा में अपने दायरे का विस्तार करते हुए इसने, भारतीय और विदेशी विश्वविद्यालयों की डिग्री/योग्यता की समकक्षता, शोध एवं प्रशिक्षण, खेल–कूद, सांस्कृतिक कार्यकलाप, युवा कार्यक्रमों को बढ़ावा देने आदि जैसे कार्यों को शामिल किया है। साझा हित के मामलों में, विश्वविद्यालयों तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय निकायों के बीच सहयोग व समन्वय स्थापित करने के साथ–साथ एआईयू, देश में उच्च शिक्षा संबंधी सभी प्रमुख निर्णय लेने वाली समितियों और आयोगों का अभिन्न अंग बनकर भारत में उच्च शिक्षा को आकार देने के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अपने आदर्श वाक्य संघात् संजायते सन्धिः के अनुरूप एआईयू का लक्ष्य, उच्च शिक्षा संबंधी सरकारी एवं राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय संगठनों और विश्वभर के सहयोगी संघों के साथ सुदृढ़ संपर्क स्थापित करना है ताकि उच्च शिक्षा प्रणाली और भारतीय विश्वविद्यालयों को बढ़ावा देते हुए उनका प्रतिनिधित्व किया जा सके। यह संघ, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध व अन्य अकादमिक कार्यकलापों हेतु सदस्य विश्वविद्यालयों और सभी हितधारकों के बीच निरंतर सहयोग, समर्थन एवं समन्वय के माध्यम से विश्वविद्यालयों के बीच सह–संपर्क भी स्थापित करता है। अन्य देशों के मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय इसके सहयोगी सदस्य हो सकते हैं। वर्तमान में, भारत के लगभग सभी विश्वविद्यालय इसके सदस्य हैं और बांग्लादेश, भूटान, कजाकिस्तान, मॉरीशस, मलयेशिया, नेपाल, थाईलैंड, यूएई और यूके जैसे देशों के कुछेक विश्वविद्यालय इसके सहयोगी सदस्य हैं।

एआईयू का उद्देश्य अंतर–विश्वविद्यालय संगठन तथा सूचना ब्यूरो के रूप में कार्य करने के साथ–साथ विश्वविद्यालयों के बीच संचार, समन्वय व आपसी परामर्श को बढ़ावा देना तथा विश्वविद्यालयों एवं सरकारों (केंद्र और राज्य) के बीच संपर्क–सूत्र के रूप में कार्य करना है। एआईयू, साझा हितों के मामलों में अन्य विश्वविद्यालयों तथा निकायों (राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय) के साथ भी सहयोग करता है। एआईयू, भारतीय विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों के शिक्षण संबंधी अनुदेशों, परीक्षाओं, शोध, पाठ्यपुस्तकों, प्रकाशनों, पुस्तकालय संगठनों तथा अन्य कार्यक्रमों के मानकों में सुधार के लिए कार्य करता है ताकि ज्ञान के विकास व प्रसार में योगदान कर सके।

एआईयू, विश्वविद्यालयों को उनकी स्वायत्तता बनाए रखने में मदद करता है। यह, भारत और विदेशों के विश्वविद्यालयों में छात्रों की मोबिलिटी तथा शिक्षण और शोध स्टाफ के परस्पर आदान–प्रदान के साथ–साथ, इंफ्रास्ट्रक्चर, संयुक्त शोध परियोजनाओं एवं प्रकाशनों के साझा इस्तेमाल को संभव बनाता है। यह संघ, विविध क्षेत्रों में अन्य देशों के समकक्ष संगठनों के साथ समझौते भी करता है और परस्पर हितों के क्षेत्र में विश्वविद्यालयों को साथ लाता है। एआईयू, विश्वविद्यालयों के बीच समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षरों का मार्ग प्रशस्त करता है तथा उच्च शिक्षा पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तरों के सम्मेलनों में साझा प्रतिनिधियों की नियुक्ति या अनुशंसा करता है। यह संघ, विश्वविद्यालयों को उनकी डिग्री, डिप्लोमा और परीक्षाओं के लिए भारत और विदेश के अन्य विश्वविद्यालयों से मान्यता प्राप्त करवाने में सहायता करता है। एआईयू, उच्च शिक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशालाएं, व्याख्यान और शोध कार्यक्रमों का आयोजन भी करता है।

राष्ट्रीय खेल संवर्धन संगठन (एनएसपीओ) के रूप में एआईयू, सदस्य विश्वविद्यालयों के बीच खेलों को बढ़ावा देता है और यह सुनिश्चित करता है कि खेलों के क्षेत्र में मानक बनाए रखे जाएं। यह, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय चौंपियनशिप प्रतियोगिताओं में भागीदारी बढ़ाने के साथ–साथ विश्वविद्यालयों में खेल संबंधी इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने का प्रयास भी करता है। इसके अलावा, एआईयू युवा कल्याण, छात्र सूचना सेवाओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, वयस्क शिक्षा और अन्य ऐसे कार्यकलाप करने वाले संगठनों की स्थापना और रख–रखाव करता है जो छात्रों, शिक्षकों और विश्वविद्यालयों से जुड़े अन्य व्यक्तियों की बेहतरी और कल्याण में योगदान करते हैं। एआईयू, विश्वविद्यालयों के लिए विभिन्न रूपों में एक सेवा एजेंसी की तरह भूमिका निभाता है और न्यूजलेटर, शोध–पत्र, पुस्तकों और जर्नलों के प्रकाशनों की व्यवस्था भी करता है।

डाक विभाग, 'भारतीय विश्वविद्यालय संघ के 100 वर्ष' पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए गर्व का अनुभव करता है, जिसने भारत में उच्च शिक्षा को नया आयाम देने और इसे उन्नत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह डाक–टिकट, एआईयू की लगभग एक सदी की विरासत और इसकी उत्कृष्ट उपलब्धियों को भी प्रतिबिंबित करता है।

आभार :

डाक–टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका/विरूपण कैशे पाठ : प्रस्तावक से प्राप्त सामग्री के आधार पर

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 500 पैसे
Denomination	: 500p
मुद्रितडाक–टिकटें	: 303300
Stamps Printed	: 303300
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

©डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

©Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00